विन्ध्येलोत्पत्य मार्तंड

प्रकाशक- पं. सीताराम सिरवैया

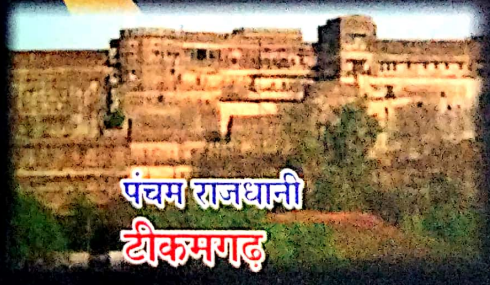

Scanned with OKEN Scanner

श्री दिव्य लोक्य पत्र मार्तण्ड

11/650

लेखक

पं. श्री मुकुन्द लाल सिरवैया

पुरानी टेहरी टीकमगढ़ (म.प्र.)

Scanned with OKEN Scanner

श्री विन्ध्ये लोत्थ पत्थ मार्तन्ड

1. संस्करण – तृतीय

2. वर्ष – 2013

3. प्रतियां – 500

4. मुद्रण एवं टंकण – शंकर कम्प्यूटर ग्राफिक्स एण्ड फोटोकॉपी

श्री छोटी देवीजी चौराहा

टीकमगढ़ (म.प्र.)

मो. 9399795406

5. सर्वाधिकार – प्रकाशक के आधीन

6. सम्पादन – पं. सीताराम सिरवैया

सम्पादक–प्रकाशक

पं. सीताराम सिरवैया

पुरानी टेहरी, टीकमगढ़ (म.प्र.)

मो. नं. 7489313289

Rs. 500/-

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रमणिका

अध्याय – 1	प्रताप वंश भूषण	10–18
अध्याय – 2	सर्वदेव विनय	19–26
अध्याय – 3	कवि कुल वर्णन	27–37
अध्याय – 4	प्राचीन सूर्य वंश वर्णन	38–46
अध्याय – 5	वंशावली वर्णन	47–54
अध्याय – 6	काशी से हेमकर्ण जगमनपुर आये वर्णन	55–65
अध्याय – 7	गढ़कुण्डार के जस का वर्णन	66–75
अध्याय – 8	कुड़ार के राजन का प्रसंग वर्णन	76–85
अध्याय – 9	ओरछा नगर का वृत्तांत	86–98
अध्याय – 10	रतन सेन का प्रसंग वर्णन	99–110
अध्याय – 11	शनिश्चर देव प्रसंग वर्णन	111–119
अध्याय – 12	शनिश्चर देव का प्रताप वर्णन	120–125
अध्याय – 13	रानी कुंवर गणेश की कथा	126–131
अध्याय – 14	श्री रामचन्द्र का आगमन वर्णन	132–140
अध्याय – 15	रानी रामजी का संवाद वर्णन	141–153
अध्याय – 16	रामसहाय विरसिंह चरित्र वर्णन	154–164
अध्याय – 17	विरसिंह देव वृत्तांत वर्णन	165–176
अध्याय – 18	चंदेरी का वंश वर्णन	177–188
अध्याय – 19	राजा जुझारसिंह का वर्णन	189–199
अध्याय – 20	हरदौर चरित्र वर्णन	200–211

Scanned with OKEN Scanner

अध्याय – 21	पहारसिंह राजा का जस वर्णन	212–220
अध्याय – 22	राजा सुजान सिंह का जस वर्णन	221–237
अध्याय – 23	राजा के लक्षण व प्रेत जज्ञ वरनन	238–250
अध्याय – 24	वाट विधान व सामुद्रक वर्णन	251–162
अध्याय – 25	उदोत सिंह महाराज का प्रताप वर्णन	263–276
अध्याय – 26	महाराज सामंत सिंह महेन्द्र पदवी जस वर्णन	278–287
अध्याय – 27	महाराजा भारतीयचन्द्र जस वर्णन	288–294
अध्याय – 28	कर्म विपाक विधान वर्णन	295–304
अध्याय – 29	पुत्र न होत होय ता का वर्णन	305–313
अध्याय – 30	सुप्रेत कोड होत कैसें मिटत कैसे ताकौ वर्णन	314–320
अध्याय – 31	मलिनता अधर्म पातकी वर्णन	321–327
अध्याय – 32	तिजारी जुर विषम व्यथा वर्णन	328–336
अध्याय – 33	जलंधर रोग खता पीरा विधान वर्णन	337–443
अध्याय – 34	श्री महाराज विक्रमादित्य जस वर्णन	344–352
अध्याय – 35	धर्मपाल राजा का जस वर्णन	353–367
अध्याय – 36	हमीरसिंह महाराज का जस वर्णन	368–379
अध्याय – 37	महाराज प्रताप सिंह जस वर्णन	380–389
अध्याय – 38	चारो दिशाओं का वर्णन	390–399
अध्याय – 39	अवधपुरी मिथलापुर का जस वर्णन	400–412

Scanned with OKEN Scanner

-: कवि परिचय :-

नाम-	कविवर मुकुन्दलाल सिरवैया
पिता का नाम-	पं. श्री घनश्याम उर्फ खेतसिंह
जन्मकाल-	है बृहां अंक अरू देव वाण सुजान संवत जानहू मार्ग शीर्ष शुक्ल नवमीं, भोम दिन उपजाहू
जन्म स्थान-	पुरानी टेहरी, टीकमगढ़ (म.प्र.)
शिक्षा-	साम्राज्य ईश्वरी प्रेरणा
व्यवसाय	फौज में हवलदार पद पर
कमकालीन साहित्यकार-	महारानी वृषभान, पजन सिंह रामचरण लालए रामदीन राय साहब
साहित्य भ्रमण-	कहीं नहीं
प्रकाशन-	दो रचनाएं प्रकाशित
जीवन यात्राएं-	चारो धाम महाराज प्रताप सिंह के साथ
विशेष घटनाएं-	भगवान कुण्डेश्वर शंकर जी के दर्शन
कृतियां-	शिव महात्म पुराण, भक्त रस बोधनी विन्धे लोत्य पत्य मार्तड, कांठर का इतिहास, पन्ना की पताका

मुद्रक- शंकर कम्प्यूटर, टीकमगढ़ 9399795406

* प्रकाशक- पं. सीताराम सिरवैया

Scanned with OKEN Scanner